शालोम, ईश्वर के बच्चे! आपका स्वागत है, आइए बाइबल का अध्ययन करें – जीवन का भोजन, जो हमारी आत्मा को स्वस्थ करता है। आज हम प्रभु की कृपा से संक्षेप में ईश्वर के रहस्य के बारे में जानेंगे।

बाइबल कई स्थानों पर ईश्वर के रहस्य का उल्लेख करती है, और आज हम समझेंगे कि यह रहस्य वास्तव में क्या है।

रोमियों 16:25

परन्तु वह परमेश्वर महिमा पाए जो मुझे और मेरे सुसमाचार और यीशु मसीह के प्रचार के अनुसार, उस छिपे हुए रहस्य की प्रकट करने की क्षमता रखता है, जो सदा से छिपा हुआ था।

जैसा कि आप देख रहे हैं, बाइबल कहती है कि एक रहस्य था, जो सदा से छिपा हुआ था।

लेकिन इस रहस्य को समझने से पहले, हमें यह समझना होगा कि बाइबल में “रहस्य” शब्द का क्या अर्थ है।

इसी तरह जैसे अंग्रेज़ी में दो शब्द हैं – “secret” और “mystery”

– जिनका हिंदी में अनुवाद अक्सर “रहस्य” होता है, लेकिन दोनों का अर्थ अलग है:

Secret = “कुछ जानकारी जो केवल कुछ लोगों को ज्ञात है और बाकी सभी से छिपी हुई है।” उदाहरण: अपराधियों की योजना, गुप्त जांच।

Mystery = “कुछ जानकारी जिसका स्रोत, कारण या अर्थ कोई नहीं जानता।” उदाहरण: जब रोशनी जलती है, अंधकार कहाँ चला जाता है? कोई नहीं जानता।

बाइबल में जो रहस्य है वह mystery है, एक ऐसा रहस्य जो गहरा और अज्ञेय है।

अय्यूब 38:19-20

प्रकाश के निवास का मार्ग कहाँ है? और अंधकार का स्थान कहाँ
है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

अय्यूब 38:24

प्रकाश कैसे वितरित होता है, और पूरब की हवा पृथ्वी पर कैसे फैलती है?

ये सभी mysteries हैं, जिन्हें समझ पाना मानव के लिए असंभव है। इसी तरह, जब एक बच्चा गर्भ में बनता है, यह भी ईश्वरीय रहस्य है। कोई नहीं जानता कि हड्डियाँ कैसे बनती हैं या बाल कहाँ से आते हैं।

अब, ईश्वर का रहस्य भी ऐसा ही एक mystery है। यह कोई “Secret” नहीं था जिसे कुछ लोग जानते हों, बल्कि एक ऐसा रहस्य जिसे कोई नहीं जानता था – यहाँ तक कि स्वर्गदूत भी नहीं।

अब यह अद्भुत रहस्य क्या है?

कुलुस्सियों 1:26-28

जो सदा से और पीढ़ियों से छिपा हुआ था, अब अपने पवित्रों को प्रकट किया गया; जिन्हें परमेश्वर ने प्रसन्न होकर यह जानने दिया कि यह रहस्य, जो सब जातियों में मसीह में है, उनकी महिमा

की सम्पत्ति है। जिसे हम प्रचारित करते हैं, हर व्यक्ति को शुद्ध करने और सबको मसीह में पूर्ण बनाने के लिए।

यह रहस्य है: मसीह यीशु के माध्यम से हमें, गैर-यहूदी राष्ट्रों को, परमेश्वर के बच्चों के रूप में बुलाया गया।

किसी ने नहीं सोचा था कि गैर-यहूदी, जो कभी अशुद्ध और परमेश्वर से दूर थे, एक दिन परमेश्वर के बच्चे बनेंगे। यह रहस्य इतना बड़ा था कि मूसा, एलिय्या और दाऊद भी इसे नहीं समझ पाए। केवल यीशु मसीह के माध्यम से यह प्रकट हुआ।

इफिसियों 3:1-6

इसलिए मैं, पौलुस, यीशु मसीह के लिए आप, गैर-यहूदियों के
कारण, बंदी हूँ; यदि आप परमेश्वर की कृपा के प्रबंध के बारे में सुन चुके हैं, जो मुझे आपके लिए दी गई है: कि मुझे यह रहस्य प्रकट किया गया, जैसा मैंने संक्षेप में लिखा है, ताकि आप इसे पढ़कर मसीह के रहस्य की समझ प्राप्त करें; जो पूर्व की पीढ़ियों को मनुष्यों को प्रकट नहीं किया गया था, परन्तु अब इसके पवित्र प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं को आत्मा में प्रकट किया गया: कि गैर-यहूदी भी एक ही धरोहर के भागीदार हों, एक ही शरीर के सदस्य और मसीह यीशु के माध्यम से वचन की

भागीदारी पाएं।

इस रहस्य से पता चलता है कि परमेश्वर की कृपा केवल इस्राएल के लिए नहीं, बल्कि सभी राष्ट्रों के लिए है। स्वर्गदूतों ने भी नहीं जाना कि पवित्र आत्मा एक दिन गैर-यहूदी लोगों में वास करेगा।

प्रकाशितवाक्य 20:11-15 याद दिलाती है कि अंत में हर कोई परमेश्वर के सफेद सिंहासन के सामने खड़ा होगा, और जीवन की पुस्तक सहित सभी पुस्तकें खोली जाएंगी।

“यदि किसी का नाम जीवन की पुस्तक में नहीं लिखा पाया गया, वह अग्नि की झील में फेंका जाएगा।”

प्रिय पाठक, कभी भी परमेश्वर की आवाज़ को अपने दिल में हल्के में न लें! यह रहस्य प्रकट हुआ है: यीशु मसीह सभी के लिए जीवन देने आए हैं।

यदि आप अपना जीवन प्रभु को सौंपते हैं, तो आप उन्हें केवल कुछ घंटे या दिन नहीं, बल्कि सारा जीवन देते हैं – आज से और हमेशा। वह आपको पाप पर विजय पाने की शक्ति देगा।

जैसा कि प्रेरितों के काम 2:38 में कहा गया है, सही बपतिस्मा के माध्यम से पापों की क्षमा प्राप्त करें और पवित्र आत्मा का मंदिर बनें।

यदि आप पीछे हटते हैं, शैतान आपको फिर से अग्नि की झील में ले जाना चाहेगा। उसका विरोध करें, और परमेश्वर आपके साथ होंगे।

ईश्वर आपको भरपूर आशीर्वाद दें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:

WhatsApp